बहुत ही सहज है राजयोग...

सभी कहते हैं कि मेरा काफी दिनों से इलाज चल रहा है, मैं ठीक नहीं हो पा रहा हूँ। आज तक तकनीकी रूप से सक्षम होने के बावजूद भी हम स्वस्थ नहीं हैं, कहीं हम गलत भ्रांति में तो नहीं जी रहे हैं। बात ठीक भी है क्योंकि आपके स्वास्थ्य पर आपके गुणों का प्रभाव पड़ता है। यदि आप गुणी है तो आप सम्पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं। इसे चाहे तो आप अपने आस-पास लोगों को देखकर अंदाज़ा लगा सकते हैं।

आपने देखा कि किस प्रकार आत्मा इन सातो गुणों को धारण करने के पश्चात् स्वस्थ रहती है, सतोप्रधान हो जाती है। हमारे गुणों के आधार से या यूं कहें कि गुणों से शरीर के तन्त्र जुड़े हुए हैं। उन गुणों की कमी उससे सम्बन्धित रोगों को पैदा करती है।

प्रथमत: ज्ञान – इसका सम्बन्ध हमारे शरीर के नर्वस सिस्टम या स्नायु तन्त्र से है। आपको पता होना चाहिए कि पूरे शरीर में सन्देश स्नायु तन्त्र से ही जाता है। यदि हम समझ से चलते हैं तो हमारा नर्वस सिस्टम बिल्कुल ठीक चलता है, जैसे ही हम नासमझी से चलते हैं या व्यर्थ या नकारात्मक बातों को सोचते या सुनते हैं उसका पूरा असर हमारे स्नायु तन्त्र पर पड़ता है। इसीलिए कोई भी ज्ञानी या समझदार या विवेकी आत्माओं के लिए हमेशा हम शब्द इस्तेमाल करते हैं कि इनकी बुद्धि कितनी स्थिर है। लग रहा है इनके पूरे स्नायु तन्त्र में ज्ञान का प्रवाह हो रहा है।

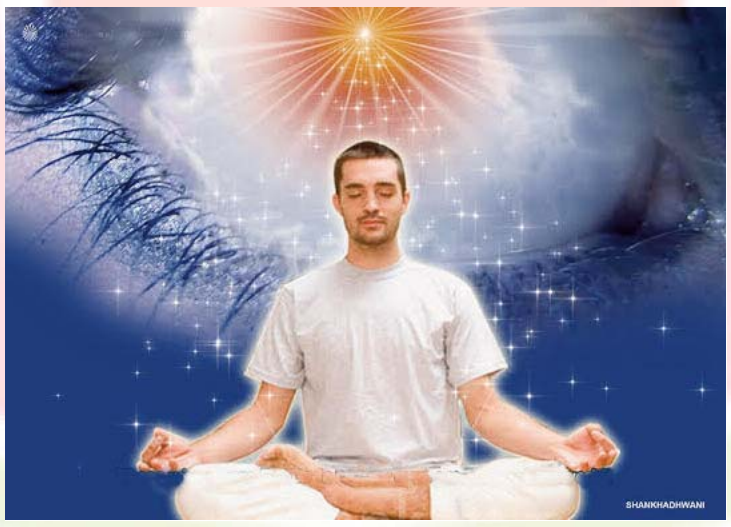

पवित्रता : पवित्रता का सम्बन्ध प्रकृति के जल तत्व से है। आप कहीं भी व कभी भी बाहर से आते हैं, चाहे आपके पैरों में गन्दगी हो या ना हो फिर भी आप सबसे पहले पैर व हाथ धोते हैं फिर अन्दर जाते हैं। और इसके बाद भी यदि सतुंष्टि नहीं होती तो आप स्नान आदि करते हैं। कुछ लोग तो अगर स्नान नहीं कर पाते तो गंगा जल आदि छिड़क लेते हैं और उनका एहसास भी होता कि हम पवित्र हो गए क्योंकि मान्यता है कि गंगा जल छिड़कने से हम पवित्र बन जाते हैं। प्रकृति के जल तत्व का सम्बन्ध मोह से या आसक्ति से है। आसक्ति का भाव यहां यह है कि आप किसी भी चीज़ से बहुत गहराई से जुड़े हुए हैं। जल तत्व से सम्बन्धित सिस्टम जैसे किडनी, यूरिनरी सिस्टम आदि अंगों पर बहुत प्रभाव पड़ता है। वैसे तो इसका सम्बन्ध हमारे सम्पूर्ण कर्मेन्द्रियों से है, यदि किसी भी कर्मेन्द्रिय से आपकी आसक्ति है तो उस अंग की पवित्रता नष्ट हो जाती है। जिस अंग को जो चाहिए यदि वो ना मिले तो वह अंग अपवित्र या असंयमित हो जाता है। पवित्रता हमारे अंगों को शान्त करती है।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-8

1	2			3	■	■	4	5	■
6		■	■	7	8	■	9		10
11		■	■	12		13	■	■	■
	■	14	15		■	16		17	
■	18			■	19		■		■
20			■	■	■		■	21	
	■	22	23	■	24		25	■	■
	■	■	26		■	27			28
29		30	■	■	31			■	
	■		■	32			■	33	

बनें विजेता : पहेली के कॉलम को काटकर व पेपर पर चिपकाकर उसके साथ उसका जवाब लिखकर हमें इस मीडिया के पीछे लिखे हुए पते पर भेजें। एक वर्ष के भीतर पूछे गए सभी पहेलियों में जिसका सबसे ज्यादा सही जवाब होगा उन्हें विजाताओं के लिस्ट में शामिल किया जाएगा और वर्ष के अंत में उन्हें आकर्षक ईनाम दिया जाएगा। इसलिए पहेली को ध्यान से पढ़िए, समझिए और भेज दीजिए हमारे पास उसका सही जवाब लिखकर और बनिए वर्ग पहेली के 'विजेता ऑफ द ईयर'।

पहेली की फोटो कॉपी या पोस्ट कार्ड पर भेजा गया पहेली का जवाब मान्य नहीं होगा। पहेली का जवाब भेजें तो उस लिफाफे पर आप अपना भी पूरा पता अच्छी लिखावट में लिखें, अपना मोबाइल नम्बर और हो सके तो अपना ई.मेल आईडी भी लिखकर भेंजें ताकि हमें पहेली का विजेता चुनने में कोई कठिनाई ना हो।

ऊपर से नीचे

1. पतिंगा, लिखित आज्ञा, नियुक्ति पत्र (4)
2. रस्म, रीति, परम्परा (3)
3. पास, करीब (4)
4. स्नेह, प्रेम, मोहब्बत (2)
5. मूल्य, कीमत (2)
8. दु:ख, तकलीफ (2)
10. अवतरित, अवतार लेने वाला (3)
13. गृहस्थ व्यवहार में रहते.....पवित्र रहना है (8)
14. बहुत दान करने वाला, महादान देने वाला (4)
15. शिव, महादेव (2)
17. कालिमा, काला रंग, काली देवी (3)
18. स्वयं, खुद, स्वत: (2)
20. निरंतर बाप की याद से ही .... बनेंगे (5)
23. शर्म, हया, इज्जत (2)
25. पैदा किया गया धन, मजदूरी, काम (3)
28. जो तैयार हो, सामने हो, सोने चांदी का सिक्का (3)
30. पुरुष,...से नारायण (2)
31. विजय, जीत (2)

बायें से दायें

1. बदलाव, परिवर्तित हुआ (5)
4. पैदल चलने वाला, पद यात्री (2)
6. कण, दाना, उचित, प्रचलित (2)
7. संसार, दुनिया, जगत (2)
9. रमण करना, ठहरना, मजा लेना (3)
11. घी, घृत, यज्ञ (2)
12. सफेद चींटी (3)
14. खुशबू, सुगंध (3)
16. शिवबाबा का एक नाम, कालों का काल..... (4)
18. भोजन, भोजन करना (3)
19. पानी, नीर (2)
20. विपत्ति, आफत, आपदा (3)
21. हाथ, हस्त, महसूल (2)
22. आसमानी, एक प्रकार का रंग (2)
24. तख्ता, पटल, स्वर्ग (3)
26. लोग, प्रजा, लोक, जनता (2)
27. हल, संशय दूर करना (4)
29. जीवित दशा, जीता रहना, ज़िन्दगी (3)
31. जँवाई, दामाद, जमाने की क्रिया (3)
32. संकलन, चुनना, चुनाव (3)
33. स्मृति, मात-पिता बापदादा का .....प्यार (2)

- ब्र.कु.राजेश,शांतिवन

शिमला-हि.प्र.। राज्यपाल देबव्रत आचार्य को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सुनीता।

रादौर-कुरुक्षेत्र। हरियाणा सरकार के मुख्य संसदीय सचिव व विधायक श्याम सिंह राणा को राखी बांधते हुए ब्र.कु. राज बहन।

सम्बलपुर-ओडिशा। विधायक डॉ. राशेश्वरी पनिग्रही को राखी बांधते हुए ब्र.कु. पार्बती।

सांगानेर-जयपुर। विधायक घनश्याम तिवारी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. पूजा।

टोहाना-पंजाब। उपमंडल अधिकारी जे.के. अभीर को राखी बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. विजय बहन,जीन्द सर्कल इंचार्ज।

सिरसा। एस.डी.एम. परमजीत सिंह चहल को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. बिन्दू।